

Written by बनिद पांडेय  
Tuesday, 19 June 2018 15:41

: 00000000 0000 0000 00, 00000000000000 000000 0000 00 000 00000 00000 00 : 18  
0000 00 00000000 000000 00 00 000000 000000 0000 00000000 000000 00 00000000 00  
00000 00 00 : 0000000000 000000 00000 00000000000 00 0000 0000000 0000  
0000000000000000 00 000000000 00 000000 00000000 :

000000 00000000

0000000000 :इलाहाबाद के राजकीय इंटर कलेज में लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसी स मुख्य परीक्षा में लोकसेवा आयोग की घोर लापरवाही सामने आई है। पहले तो परीक्षा प्रारंभ होने के समय तक सेंटर पर प्रश्नपत्र ही नहीं पहुंचा, फिर लगभग 1 क घंटे बाद पुलिस फोर्स के साथ आयोग द्वारा प्रश्नपत्र भेजा गया, हद तो तब हो गई जब पेपर की सील खोली गई उक्त लफिफे में सामान्य हद्दी के बजाय नबिंध क पेपर नक्ला इसपर अभ्यर्थियों ने वरिध करना शुरू किया। प्रशासन और आयोग के अधिकारियों द्वारा अभ्यर्थियों के ऊपर नबिंध लखिने क दबाव डाला गया। चुंकि नबिंध क पेपर दूसरी पाली में था इसलिये अभ्यर्थियों ने परीक्षा क बहषिक्कर कर दिया। दबाव में आकर अब आयोग ने दोनों पाली की परीक्षा नरिस्त करने क नरिणय लिया है। इसकी वजिज्पत्ता भी जारी की गई है।

यह उल्लेख करना आवश्यक है कि लोकसेवा आयोग इस परीक्षा को 18 जून से कराने के लिये हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक मुकद्दमेबाजी कर चुक है। प्रतियोगी छात्रों द्वारा परीक्षा की तैयारी के लिये कमहीने क अतरिक्त्त समय मांगा गया था, इसके लिये छात्रों ने आयोग से लेकर सरकार तक और हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक क दरवाजा खटखटाया लेकिन हर जगह से उनके नरिाश होना प। और आयोग ने अपनी योजना के मुताबकि 18 जून से परीक्षा क आयोजन कर दिया।

यहां गौर करने लायक तथ्य यह भी है कि दिनांक 18 और 19 जून को प्रदेश के 56 जिलों में स्थिति 860 केंद्रों पर पुलिस भरती बोर्ड द्वारा सपिाही भरती की परीक्षा क भी आयोजन पूरव नरिधारति था जिसमें लगभग 20 लाख अभ्यर्थी भाग ले रहे है। परीक्षा केंद्रों में इलाहाबाद और लखनऊ भी शामिल है जहां लोकसेवा आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा क आयोजन किया जाता है। ऐसे में परीक्षार्थियों की भारी भी। के कारण यातायात की भी गंभीर समस्या होना लाजिमी था। इन सब तथ्यों से अवगत होने के बावजूद भी लोकसेवा आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा क आयोजन उसी तथि पर कराना कई सवालों के जन्म देता है। सबसे पहले तो यह कि आयोग को आखिर इतनी जल्दी क्यों थी ?

फिर इसके बाद यदि आयोग पूरी तरह से तैयार था तो इतनी घोर लापरवाही कैसे हुई ? जिस परीक्षा केंद्र में यह ग। ब। सामने आई है आयोग से उसकी दूरी बमुश्किल 2-3 किमी शहर में ही है। फिर भी आयोग वहां समय से प्रश्नपत्र तक नहीं पहुंचा पाया और जब पहुंचाया भी तो दूसरी पाली क ।

0000 0000 0000 0000 00 000000 000000 00 0000 00 00000000 000000, 00 000000 00000000 000000 00  
000000 00000000 :-

00-00000 00 00000000 0000 : 000000 000, 00000000 0000000

Written by वनोद पांडेय  
Tuesday, 19 June 2018 15:41

---

000000 00 00000 00 00000000 00 00000000 00000 00000 00000000000

( 00000 000000 00000000 00000000000 0000 00 000000 00 000000 00 000000000 00000 00  
00000000 00 0000000 00 000000000000000 00 00000000 00 00000 000000 0000 00000 )